

आपदा प्रबंधन वभाग और सचिाई अनुसंधान संस्थान (आईआरआई), रुड़की के बीच समझौता ज्ञापन

चर्चा में क्यों?

2 नवंबर, 2022 को उत्तराखंड के देहरादून स्थिति राज्य सचिालय में आपदा प्रबंधन वभाग और सचिाई अनुसंधान संस्थान (आईआरआई), रुड़की के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए। समझौते के मुताबकि, दोनों संस्थाओं के बीच जल संसाधन संबंधी आँकड़े साझा हो सकेंगे।

प्रमुख बडि

- आपदा प्रबंधन सचिव डॉ. रंजीत कुमार सनिहा ने बताया कि इस समझौते के तहत राज्य की बड़ी नदियों में जल स्तर मापने के लिये सेंसर लगाए जाएंगे। ऑटोमेटिक वाटर लेवल रिकॉर्डर की मदद से एक ही जगह पर रयिल टाइम डाटा की जानकारी मलिती रहेगी तथा रयिल टाइम मॉनटरिंग के लिये वकिसति तंत्र राज्य सचिालय में बने आपदा प्रबंधन वभाग के कंट्रोल से सीधे जुड़ेगा।
- इससे नदियों और बांधों में लगाए गए सभी सेंसर से सारा डाटा आपदा कंट्रोल रूम को प्राप्त होता रहेगा। आपदा कंट्रोल रूम को प्राप्त होने वाली सूचनाओं के आधार पर बाढ़ के खतरे की स्थिति के दौरान रयिल टाइम में चेतावनी जारी हो सकेगी।
- पहले चरण में सभी नदियों से मैनुअल सेंसर हटाकर उनकी जगह ऑटोमेटिक सेंसर लगाए जाएंगे। ये सेंसर केंद्रीय जल वज्ज्ञान परयोजना के तहत लगाए जाएंगे। राज्य के सभी बांधों की अपस्ट्रीम में ऑटोमेटिक सेंसर लगेंगे और डाउन स्ट्रीम में ऑटोमेटिक सायरन स्थापति होंगे।
- उन्होंने बताया कि नदियों और बांधों के जल स्तर को मापने के लिये रयिल टाइम मॉनटरिंग सिस्टम आपदा प्रबंधन में बहुत मददगार होगा तथा एक ही जगह डाटा प्राप्त होने से चेतावनी तंत्र प्रभावी हो सकेगा। यह तंत्र दो महीने में तैयार कर लिया जाएगा।
- गौरतलब है कि राज्य में आईआरआई, रुड़की राष्ट्रीय जल वज्ज्ञान परयोजना के तहत नदियों में ऐसा तंत्र वकिसति कर रहा है, जिससे उत्तराखंड की बड़ी नदियों में जलस्तर बढ़ेगा तो आपदा प्रबंधन वभाग को इसका तुरंत अलर्ट मलि जाएगा।
- बांधों की डाउन स्ट्रीम में भी ऑटोमेटिक सेंसर लगेंगे तथा बड़ी नदियों और बांधों की रयिल टाइम मॉनटरिंग की जाएगी। इससे बाढ़ पूर्वानुमान और पूर्व चेतावनी तंत्र वकिसति हो सकेगा।